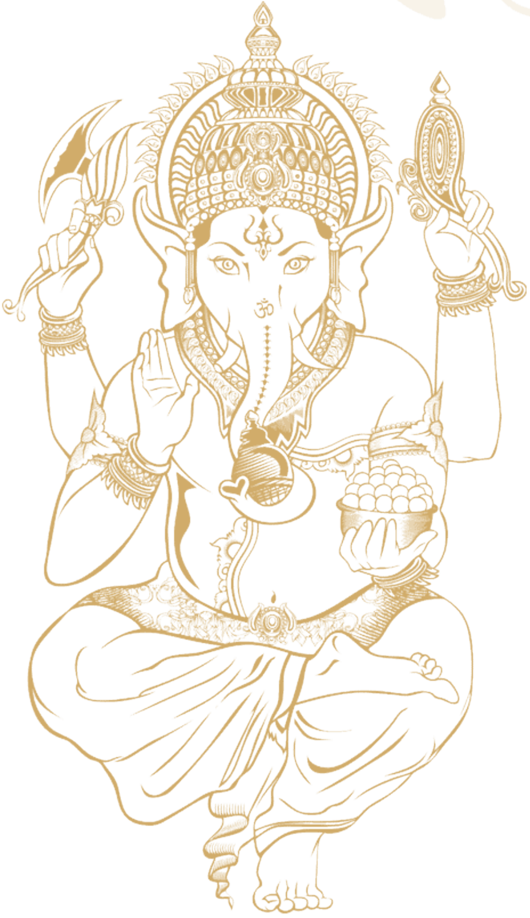

Radhe

31 Jul 2015

07:36 AM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121435102

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**31/07/2015**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**07:36:00 घंटे**
इष्ट	04:45:19 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:20:16 घंटे
वेलान्तर	-00:06:25 घंटे
साम्पातिक काल	03:53:49 घंटे
सूर्योदय	05:41:52 घंटे
सूर्यास्त	19:01:56 घंटे
दिनमान	13:20:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	13:30:40 कर्क
लग्न के अंश	07:36:50 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	प्रीति
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जी-जीविका
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	07:36:50	320:04:21	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			कर्क	13:30:40	00:57:21	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मक	08:36:37	14:33:56	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	कर्क	00:08:36	00:39:08	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	नीच राशि
बुध			कर्क	21:30:05	01:58:15	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
गुरु			सिंह	03:29:57	00:12:38	मघा	2	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र	व		सिंह	06:03:24	00:13:34	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		वृश्चि	04:12:39	00:00:12	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	08:18:38	00:07:59	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	08:18:38	00:07:59	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मीन	26:25:07	00:00:14	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	---
नेप	व		कुंभ	15:09:15	00:01:20	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	---
प्लूटो	व		धनु	19:36:02	00:01:20	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
दशम भाव			वृष	06:32:06	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:04:31

लग्न-चलित

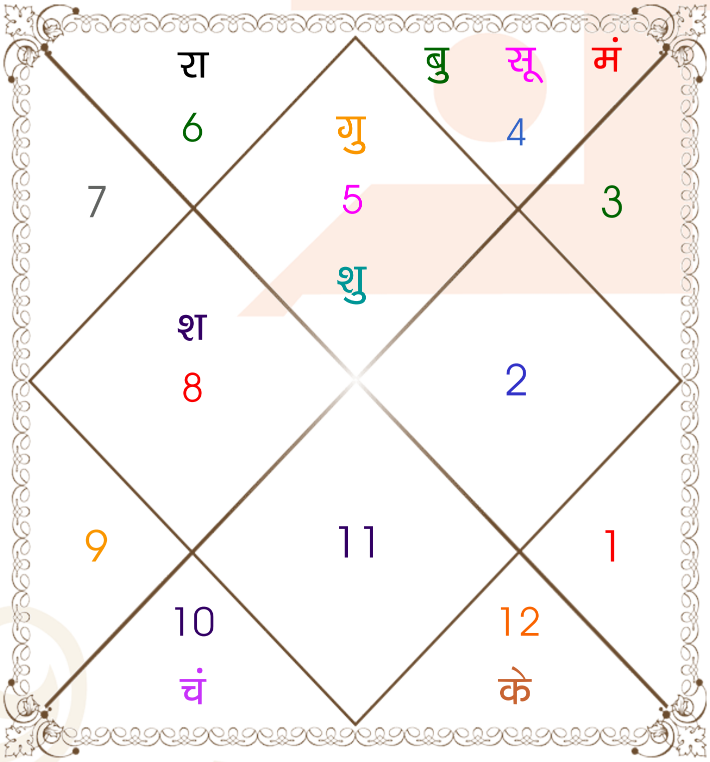

चन्द्र कुंडली

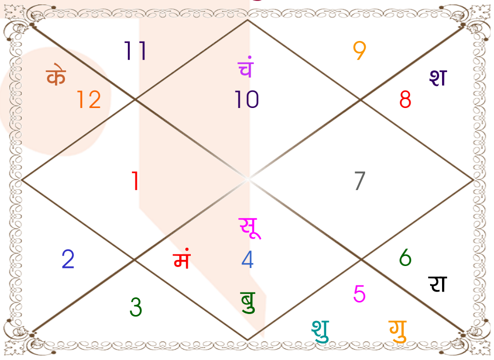

नवमांश कुंडली

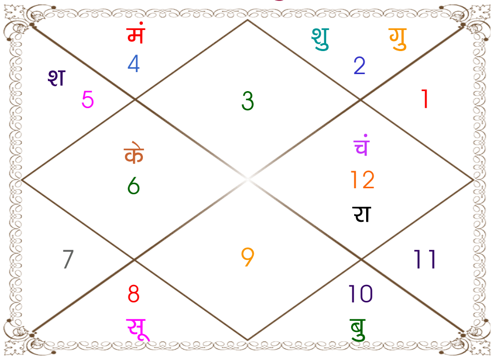

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 7 मास 15 दिन

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
31/07/2015	**15/03/2016**	**16/03/2026**	**16/03/2033**	**16/03/2051**
15/03/2016	**16/03/2026**	**16/03/2033**	**16/03/2051**	**16/03/2067**
00/00/0000	चंद्र 14/01/2017	मंगल 12/08/2026	राहु 27/11/2035	गुरु 03/05/2053
00/00/0000	मंगल 15/08/2017	राहु 30/08/2027	गुरु 21/04/2038	शनि 15/11/2055
00/00/0000	राहु 14/02/2019	गुरु 05/08/2028	शनि 25/02/2041	बुध 19/02/2058
00/00/0000	गुरु 15/06/2020	शनि 14/09/2029	बुध 15/09/2043	केतु 26/01/2059
00/00/0000	शनि 14/01/2022	बुध 11/09/2030	केतु 02/10/2044	शुक्र 26/09/2061
00/00/0000	बुध 15/06/2023	केतु 07/02/2031	शुक्र 03/10/2047	सूर्य 16/07/2062
00/00/0000	केतु 14/01/2024	शुक्र 09/04/2032	सूर्य 27/08/2048	चंद्र 15/11/2063
31/07/2015	शुक्र 14/09/2025	सूर्य 14/08/2032	चंद्र 25/02/2050	मंगल 20/10/2064
शुक्र 15/03/2016	सूर्य 16/03/2026	चंद्र 16/03/2033	मंगल 16/03/2051	राहु 16/03/2067

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
16/03/2067	**16/03/2086**	**17/03/2103**	**17/03/2110**	**17/03/2130**
16/03/2086	**17/03/2103**	**17/03/2110**	**17/03/2130**	**01/08/2135**
शनि 19/03/2070	बुध 11/08/2088	केतु 13/08/2103	शुक्र 16/07/2113	सूर्य 04/07/2130
बुध 26/11/2072	केतु 09/08/2089	शुक्र 12/10/2104	सूर्य 17/07/2114	चंद्र 03/01/2131
केतु 05/01/2074	शुक्र 08/06/2092	सूर्य 17/02/2105	चंद्र 16/03/2116	मंगल 11/05/2131
शुक्र 06/03/2077	सूर्य 15/04/2093	चंद्र 18/09/2105	मंगल 16/05/2117	राहु 04/04/2132
सूर्य 16/02/2078	चंद्र 14/09/2094	मंगल 14/02/2106	राहु 16/05/2120	गुरु 21/01/2133
चंद्र 18/09/2079	मंगल 12/09/2095	राहु 05/03/2107	गुरु 15/01/2123	शनि 03/01/2134
मंगल 26/10/2080	राहु 31/03/2098	गुरु 09/02/2108	शनि 17/03/2126	बुध 09/11/2134
राहु 02/09/2083	गुरु 07/07/2100	शनि 20/03/2109	बुध 15/01/2129	केतु 17/03/2135
गुरु 16/03/2086	शनि 17/03/2103	बुध 17/03/2110	केतु 17/03/2130	शुक्र 01/08/2135

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 7 मा 13 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्य संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली महिलाओं में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी स्त्री हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपको अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होंगी।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगी। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करती।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगी परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगी। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगी।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित महिला हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करती हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाली हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहती हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभाव्य है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपनी मित्रों की मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगी। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझी जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहती हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।